वर्षः- 05
अंकः- 326
मुरादाबाद
(Sunday)
22 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किए गिरिराज जी के दर्शन, शुरू की सप्तकोसी परिक्रमा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गोवर्धन पहुंचकर गिरिराज जी के दर्शन किए और सप्तकोसी परिक्रमा की शुरुआत की। उनके आगमन से श्रद्धालुओं में उत्साह बढ़ा, वहीं प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज धार्मिक स्थल गिरिराज गोवर्धन पहुंचीं और वहां के प्रसिद्ध गिरिराज जी के दर्शन किए। राष्ट्रपति ने श्रद्धालुओं के बीच आकर मंदिर परिसर का निरीक्षण किया और भगवान गिरिराज के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। दर्शन के बाद, राष्ट्रपति मुर्मू ने गोवर्धन परिक्रमा

(सप्तकोसीय परिक्रमा) की शुरुआत की। यह परिक्रमा क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखती है।उनके आगमन से स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों में उत्साह की लहर दौड़ गई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया है ताकि राष्ट्रपति और श्रद्धालु दोनों सुरक्षित रूप से यात्रा में भाग ले सकें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह दौरा गोवर्धन की धार्मिक परंपराओं और स्थानीय संस्कृति को सम्मान देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सरकार की चुप्पी पर कांग्रेस का तंज, जयराम रमेश ने मोदी सरकार से पूछे कड़े सवाल

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सिर्फ कूटनीतिक विफलता नहीं है, बल्कि भारत के बुनियादी उसूलों के साथ गद्दारी है। जयराम रमेश ने कहा कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के समय से ही भारत ने फिलिस्तीन के मुद्दे और पश्चिम एशिया में स्थिरता के लिए एक स्वतंत्र और मुखर स्टैंड लिया है।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस मसले पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी को %नैतिक कायरता% बताया है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 卐एक तरफ दुनिया की बड़ी शक्तियां और अरब देश इस संघर्ष को रोकने के लिए प्रयास कर रहे हैं, वहीं खुद को %विश्वगुरु% और %ग्लोबल साउथ% की आवाज बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर रहस्यमयी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा, भारत का इतिहास हमेशा से उत्पीड़ितों के साथ खड़े होने और न्यायपूर्ण शांति का समर्थन करने का रहा है, लेकिन मौजूदा सरकार इस विरासत को धूमिल कर रही है।उसूलों के साथ गद्दारी है। जयराम रमेश ने कहा कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के समय से ही भारत ने फिलिस्तीन के मुद्दे और पश्चिम एशिया में स्थिरता के लिए एक स्वतंत्र और मुखर स्टैंड लिया है।

भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकताः पश्चिम एशिया संकट के बीच यूएई के राजदूत बोले- देश पूरी तरह सुरक्षित

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यूएई ने भारत के साथ अपने रिश्ते को लेकर मजबूत संदेश दिया है। भारत में यूएई के राजदूत अब्दुल नासिर अलशाली ने कहा कि हमलों के बावजूद देश पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूएई में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा यूएई सरकार की प्राथमिकता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हमलों के बीच भी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत के साथ अपने मजबूत रिश्ते का संदेश दिया है। भारत में यूएई के राजदूत अब्दुल नासिर अलशाली ने ईद के मौके पर एक खुला पत्र लिखकर भारत और यूएई के मजबूत रिश्तों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा तनाव और हमलों के बावजूद यूएई पूरी तरह सुरक्षित, स्थिर और सामान्य रूप से काम कर रहा है। उन्होंने भारतीय समुदाय को भरोसा दिलाया कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और सुरक्षा, सेवाएं व व्यापार बिना रुकावट जारी हैं।अब्दुल नासिर अलशाली के इस संदेश

के जरिए यूएई ने न सिर्फ अपनी तैयारियों का संकेत दिया, बल्कि भारत-यूएई साझेदारी की मजबूती और भरोसे को भी फिर से रेखांकित किया। पत्र में राजदूत ने बताया कि ईरान ने यूएई पर 2000 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन से हमले किए, लेकिन ज्यादातर को देश की रक्षा प्रणाली ने रोक लिया। इसके बावजूद देश में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, संचार और खाने-पीने जैसी सभी जरूरी सेवाएं बिना किसी रुकावट के चल रही हैं। होटल, मॉल, पर्यटन स्थल और बैंकिंग व्यवस्था भी सामान्य रूप से काम कर रही है।यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों पर क्या कहा?- नासिर अलशाली ने कहा कि यूएई में रहने वाले 40 लाख से ज्यादा भारतीय पूरी सुरक्षा और विश्वास के साथ अपना जीवन जी रहे हैं। उनके अनुसार, यूएई ने ऐसी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाई है, जो ऐसे मुश्किल समय में भी देश को स्थिर बनाए रखती है। राजदूत ने भारतीय कारोबारियों को भरोसा दिलाया कि यूएई में व्यापार पूरी तरह चालू है। सप्लाई चेन, बंदरगाह और एयरपोर्ट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच संबंध बहुत पुराने और मजबूत हैं, जो हर मुश्किल दौर में और मजबूत होते हैं। यूएई में रहने वाले भारतीयों को बताया अहम हिस्सा- उन्होंने यह भी कहा कि यूएई में रहने वाले भारतीय सिर्फ प्रवासी नहीं, बल्कि इस देश का अहम हिस्सा हैं। वे यहां काम करते हैं, परिवार बसाते हैं और देश के विकास में योगदान देते हैं। कई लोगों के लिए यूएई अब सिर्फ काम की जगह नहीं, बल्कि उनका घर बन चुका है। राजदूत ने बताया कि भारत सरकार भी इस पूरे समय में लगातार संपर्क में है और भारतीयों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। भारत और यूएई के बीच व्यापार-बता दें कि भारत और यूएई के बीच व्यापार 100 अरब डॉलर से ज्यादा का हो चुका है और यूएई-भारत CEPA समझौता के तहत दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध और मजबूत हो रहे हैं। इससे पहले 18 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बात की थी और हमलों की कड़ी निंदा करते हुए हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही की जरूरत पर जोर दिया था।

ईद के मंच से सियासतः मतदान का अधिकार नहीं छीनने देंगे, बंगाल चुनाव से पहले CM ममता ने भाजपा पर लगाए कई आरोप

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईद के मौके पर भाजपा पर आरोप लगाया कि वह वोटर लिस्ट के जरिए लोगों के मतदान अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा के लिए आखिरी दम तक लड़ेगी। ममता ने बंगाल की एकता और सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने की भी बात कही।पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव से पहले माहौल गर्म हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईद के मौके पर बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लोगों के वोट देने के अधिकार को छीना नहीं जाने दिया जाएगा और इसके खिलाफ आखिरी दम तक लड़ाई लड़ी जाएगी।कोलकाता के रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद हजारों लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में बदलाव के जरिए लोगों के अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतंत्र और हर नागरिक

के अधिकार की रक्षा के लिए खड़ी है।वोटर लिस्ट पर क्या है विवाद?-तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव से पहले चल रही वोटर लिस्ट की विशेष जांच में बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं। पार्टी का कहना है कि खासकर अल्पसंख्यक इलाकों में यह प्रक्रिया ज्यादा प्रभाव डाल रही है। ममता बनर्जी ने चेतावनी दी कि वोटर लिस्ट के नाम पर किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ममता का सख्त संदेश- ममता बनर्जी ने साफ कहा कि जो लोग बंगाल को बांटने और समाज में दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें यहां सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हर हाल में जनता के अधिकार की रक्षा करेगी और भाजपा की किसी भी कोशिश का मजबूती से मुकाबला करेगी। एकता का संदेश और सियासी संकेत- मुख्यमंत्री ने बंगाल की सांप्रदायिक सौहार्द की परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी मिलकर रहते हैं। उन्होंने साफ कहा कि राज्य में किसी भी तरह की नफरत या विभाजन की राजनीति को जगह नहीं मिलेगी। उनका यह बयान चुनावी माहौल में एक बड़ा सियासी संकेत माना जा रहा है। %हिंदू-मुस्लिम नहीं, पूरा देश खतरे में%, ईद पर अभिषेक बनर्जी का बयान- कोलकाता के रेड रोड पर ईद-उल-फितर की नमाज के बाद तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम को लड़ाने की कोशिशें सफल नहीं होंगी और बंगाल का भाईचारा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि कोई हिंदू तो कोई मुस्लिम खतरे में होने की बात करता है, लेकिन सच में पूरा देश खतरे में है। उन्होंने लोगों से धर्म के चश्मे हटाकर सोचने और एकता बनाए रखने की अपील की।

मथुरा बवाल : फरसे वाले बाबा की बनेगी समाधि, ट्रक चालक की भी मौत

मथुरा के छाता में बाबा चंद्रशेखर की मौत के बाद भड़की भीड़ ने दिल्ली हाईवे जाम कर पथराव किया, जिससे दहशत का माहौल बन गया। पुलिस के प्रयासों के बावजूद स्थिति बार-बार बिगड़ती रही और इलाके में तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं।डीएम ने कहा कि बाबा की गौशाला को सरकार की तरफ से हम सहायता देंगे। बाबा का जहां दाह संस्कार होगा, वहां समाधि स्थल बनवाया जाएगा। जिस चालक ने घटना की थी, उसकी अस्पताल में मौत हो गई है। जिन लोगों को जरूरी होगा, हम उनके लिए लाइसेंस देने पर विचार करेंगे। गौसेवक हमारे परिवार के हैं। हम उनके साथ है। जो निर्दोष हैं उन पर कोई केस या कार्रवाई नहीं

होगी। एसएसपी ने कहा कि हम बाबा के नाम से ही यहां पर चौकी स्थापित करेंगे। कोई निर्दोष नहीं फंसेगा।मथुरा में फरसा वाले बाबा की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ। उधर उनका पार्थिव शरीर अजनोक गोशाला पहुंचने पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। छाता-बरसाना मार्ग पर जाम जैसे हालात बन गए, जहां दूर-दूर से गोभक्त अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। यहां भी तकरार के हालात बन गए। गोभक्त प्रशासन से गिरफ्तार किए गए 40 गोभक्तों को छोड़ने और आरोपियों पर कार्रवाई के बाद ही अंत्येष्टि करने की मांग पर अड़े हैं। मौके पर एसएसपी और जिलाधिकारी पहुंच गए हैं। लोगों से बातचीत की जा रही है। हाईवे पर बवाल के बाद चार घंटे बाद स्थिति सामान्य हुई। जाम में फंसे वाहन अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। छाता कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती की गई है।मथुरा बवाल पर आगरा रेंज डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि गौरक्षक की मौत सड़क हादसे में हुई है। मामले में कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी की गई है। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, वहीं पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है।

रामलला के दरबार पहुंची लखनऊ सुपर जायंट्स की 20 सदस्यीय टीम, कप्तान ऋषभ पंत ने विधिवत पूजा-अर्चना की

आईपीएल से पहले लखनऊ की टीम ने अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर में दर्शन-पूजन किया। कप्तान समेत सभी खिलाड़ियों और स्टाफ ने नए सत्र में अच्छे प्रदर्शन की कामना की। मंदिर की भव्यता की सराहना की गई। इस आध्यात्मिक दौरे को टीम के लिए खास और

प्रेरणादायक माना जा रहा है।आईपीएल शुरू होने से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की 20 सदस्यीय टीम अयोध्या पहुंची। जहां खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने रामलला के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। टीम के साथ फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भी मौजूद रहे। सभी ने राम मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। आगामी सीजन में बेहतर प्रदर्शन की कामना की।इस दौरान टीम के कप्तान ऋषभ पंत समेत अन्य खिलाड़ियों ने भी श्रद्धा के साथ भगवान श्रीराम के चरणों में शीश नवाया। मंदिर परिसर में टीम के पहुंचने से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव और एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने सभी खिलाड़ियों को मंदिर का भ्रमण कराया। खिलाड़ियों ने मंदिर की भव्यता की सराहना की। दर्शन-पूजन के बाद पूरी टीम अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई। आईपीएल के आगाज से पहले टीम का यह आध्यात्मिक दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां खिलाड़ियों ने नए सीजन से पहले भगवान का आशीर्वाद लिया।

संपादकीय Editorial

Based on Ethics

If the parameters of government work culture are established based on ethics, there is a slight hope for a change in the routine. The Himachal government's directive on social media activity appears urgent, as the videos are tarnishing the character of the government sector. Some individuals have become desirable entertainment material, violating government policies and traditions, while others, under the guise of harsh social media comments, are shirking responsibility and straining the system. However, Himachal is now embracing the mischievous aspects of social media, where even political figures are straying from the path. In fact, the easy availability of social media has increased ideological fervor, while the tendency to mislead human curiosity is increasing. In this context, the necessity of directives appears apparent. Surprisingly, the government structure is reluctant to adhere to any ideal outside the service rules' code of conduct. On social media, Himachal and the Himachal government cannot always agree on the same side. While some criticisms come from civil society, their democratic value should be recognized. However, the government work culture itself has become increasingly outspoken and unruly. This wouldn't be considered employee politics, as some individuals personally stand against the grain of the work culture. However, in Himachal, ethical etiquette needs to be taught in every aspect of government work culture. Some important and public-facing positions, which are the harbingers of harsh office comments, constantly frustrate and disappoint, so to whom should the public address their grievances? If mobile phones are considered undesirable within the confines of schools and colleges, why not limit their use in offices? The need to improve the office environment extends beyond social media, but also to timetables, accountability, public communication, and transparency. There are some officials who, outside of office hours, strengthen social organizations. Many are adopting schools and providing guidance, while others strive to meet every expectation of civil society. Some people have used social media as a shield to gain privileges in the work culture, but otherwise, this medium could prove to be a boon for departments like the police. While it's still in its infancy, a code of conduct must be established to ensure that it is not used as a weapon or a garland. Government directives for ensuring Himachal's conduct in offices extend to attire. It's essential to work on the kind of personality school teachers project. Similarly, to create public appeal in the language of every office and government work, new ideals will need to be adopted in the internal and external environment. In this context, the definition of ideal dress and the office layout should also be reviewed. Modern standards should be implemented within the framework of a welcoming and accepting environment, far from broken furniture and abusive language. With the goal of promptness, offices should become a haven of freshness, beauty, dignity, and harmony, and this requires the purification of the soul of the entire work culture.

Efforts to reclaim the desert, addressing irrigation and drinking water problems

The public has high expectations from the BJP government, and we are pleased that we are meeting them. Although this path to progress is long and arduous, we are hopeful that with foresight, diligence, and honesty, we will achieve our goals. The Ram Jal Setu Link Project ensures water security. Renewable energy targets: Top GDP state by 2047. Special focus on employment generation and women's empowerment. When it comes to Rajasthan, people across the country and the world view it primarily from two perspectives: a land of rich cultural heritage and brave soldiers; and a state encompassing a vast desert. These two images of Rajasthan are the benchmarks of its development. Therefore, our government, embracing Prime Minister Narendra Modi's vision of "Development as well as Heritage," has worked in parallel in both areas and has taken significant steps toward transforming the desert into a land of development, a land rich in water resources. The Rajasthan government is taking several major steps to transform the desert into a water-rich region, which is sure to overcome the severe water problem. The Thar Desert covers approximately 1.75 lakh square kilometers. Our government has given top priority to water security and is committed to providing irrigation and drinking water. Serious efforts are underway to provide water to every household under the Jal Jeevan Mission, which is proving to be highly successful. The Ram Jal Setu Link Project is proving very effective in this regard, with work orders totaling ?26,000 crore already awarded. Implementation of this project will ensure long-term water availability, boosting agriculture in various regions of the state. Through the Jal Jeevan Mission, continuous tap water supply has been ensured for 1.4 million rural families. The state government has spent ?10,700 crore to date. Rajasthan will also benefit greatly from the Yamuna Water Agreement (ERCP). The "Karmabhoomi to Matribhoomi" campaign also played a significant role in strengthening these efforts, and under this initiative, more than 16,000 underground water recharge structures were constructed across the state with the contributions of non-resident Rajasthanis. Streamlining the state's water system will greatly assist farmers in their agricultural pursuits. Water will be available for irrigation even in areas previously lacking it. Furthermore, the state's 6.5 million PM Kisan beneficiaries will receive 12,000 rupees in the future instead of 9,000 rupees. It's also worth noting that Rajasthan's farmers receive 6,000 rupees annually under the PM Kisan Samman Nidhi Yojana, while the state government provides 3,000 rupees, which has been increased to 6,000 rupees. Renewable Energy: Our government aims to increase renewable energy production capacity to 125 gigawatts by 2030 and 225 gigawatts by 2040. This will not only provide abundant electricity to the state but will also enable it to be sold to other states. This will significantly increase the state's GDP. By 2047, our goal is to be among the top three states with the highest GDP. We are not only working on solar energy; we also aim to generate several gigawatts of electricity from wind energy in several districts. Providing employment for youth and empowering women are top priorities for us. Economic expansion and infrastructure development are opening up massive employment opportunities for youth. Due to strong investor interest at the Rising Rajasthan Summit, MoUs worth ?35 lakh crore were signed, paving the way for large-scale employment for youth. Arrangements have also been made to ensure that the benefits of the state government's welfare schemes reach women. Under the Chief Minister's Cooking Gas Scheme, cooking gas cylinders are being made available for just ?450, and subsidies worth ?1,066 crore are being transferred directly to the accounts of beneficiary women. Under the Lakhpati Didi Scheme, 1.6 million women have been trained, enabling 1.2 million women to become self-reliant. Furthermore, in light of the potential gas shortage due to the recent conflict in West Asia, the Essential Commodities Act has been implemented to prevent hoarding and profiteering and ensure easy access to cooking gas for the public. The public has high expectations from the BJP government, and we are pleased that we are meeting them. Although the path to progress is long and arduous, we are confident that with foresight, diligence, and honesty, we will achieve our goals. Currently, the Rajasthan government is working diligently on several projects simultaneously. We are not only working to advance education but also striving to improve healthcare. Our work is characterized by transparency and honesty, and we are striving to achieve our goal of "development for all."

Attacks on Global Interests

Now that the crisis in West Asia has become a global crisis, all powerful countries in the world, including India, must actively intervene to stop this war and increase pressure on the United States. Iran's retaliatory actions have affected Gulf refineries. The global energy crisis has deepened, fuel prices have risen. The United States has been blamed, and calls have been made to stop the war. Iran's attacks on refineries in Saudi Arabia, Qatar, and Kuwait in response to Israel's targeting of its South Pars gas field are inevitable, leading to rising crude oil prices. The problem isn't just rising oil prices, but also the difficulty in supplying oil from Gulf countries. Along with oil, gas supplies are also facing difficulties. It's clear that the war between the United States, Israel, and Iran is exacerbating the energy crisis. Iran's strategy of targeting similar sources in neighboring countries in response to attacks on its own energy sources has worried not only the US and the Gulf countries, but the entire world. It's clear that the US never anticipated Iran's potential to escalate the energy crisis in this way, but it is pursuing this strategy. First, it blocked the Strait of Hormuz, the oil and gas supply route from the Gulf countries, and then began targeting these countries' energy sources. Iran targeted some Gulf countries' energy sources to such an extent that oil and gas production has come to a halt. As oil and gas production has declined and supplies have been disrupted, the entire world is facing the brunt of the energy crisis. Many countries have had to increase oil and gas prices. Gas shortages in some countries have made cooking at home and running small and large industries difficult. Stock markets around the world are also experiencing declines due to rising oil and gas prices and disrupted supply. In a way, the US and Israeli attacks on Iran, and Iran's retaliatory actions, are severely damaging global interests. The US is directly responsible for this grave threat to global interests. If it were unwilling to attack Iran, Israel would hardly have acted on its own. Now, it appears that there is even a lack of strategic coordination between the two. This is indicated by the US's disagreement with Israel's targeting of Iran's gas fields. This disagreement alone will not solve the problem, as Iran also appears unwilling to exercise restraint. Now that the crisis in West Asia has become a global crisis, all powerful countries in the world, including India, must take active action to stop this war and increase pressure on the US.

Dangerous Expansion of Distrust

The success of this opposition campaign is doubtful due to the complex impeachment process. The opposition's distrust of the head of the Election Commission and the Speaker of the Lok Sabha, responsible for conducting free and fair elections, is not a good sign for democracy. No-confidence motions against the Rajya Sabha Chairman and the Lok Sabha Speaker. An impeachment notice against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. Growing political distrust threatens the credibility of democratic institutions. Following no-confidence motions against Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar and Lok Sabha Speaker Om Birla, the impeachment notice against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar is a sign of a dangerous expansion of distrust between the ruling party and the opposition. Partisan conflicts are not unexpected in election-centric parliamentary politics. In the past, Parliament has often been disrupted for days due to conflicts between the ruling party and the opposition over a single issue. There are instances of entire sessions being stalled. However, since 2014, political conflict seems to be transcending conventions and Lakshman Rekha. In late 2024, a no-confidence motion against Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar failed to proceed beyond notice due to procedural and technical errors. Deputy Chairman Harivansh dismissed the motion on the grounds that the notice of no-confidence motion had not been served 14 days in advance as required by law, citing incorrect spelling of Jagdeep Dhankhar's name. In the past, no-confidence motions had been introduced against the Lok Sabha Speaker three times, and each time they were defeated, as they are elected by majority vote. A minority opposition cannot remove them unless there is a split in the ruling party. The passage of a no-confidence motion against the Lok Sabha Speaker directly means that the government, having lost its majority, will also have to go. The purpose of a no-confidence motion by a minority opposition is to express dissatisfaction with the Speaker. Factual errors were also present in the no-confidence motion against Om Birla, but he himself corrected them and allowed it to be presented. The no-confidence motion against Om Birla escalated into serious accusations and confrontation, and at its root was the bitterness of the previous Lok Sabha, when Birla was Speaker. A record number of opposition MPs were suspended. Rahul Gandhi was not the Leader of the Opposition at the time, yet he was still accused of preventing speakers from speaking and turning off microphones. The Speaker is responsible for conducting any House, but a smooth House can only function with mutual understanding and respect between the ruling party and the opposition. However, they are at odds with each other. The Speaker has been the target of the opposition's aggression against the ruling party. Knowing the consequences of the no-confidence motion, the opposition did not ask for a division vote, but this does not change the fact that the opposition lacks confidence in the Speaker. Past experiences with the Speaker's role have been mixed. In Britain, where our parliamentary system is inspired, the Speaker is not a member of any party. In our country, Neelam Sanjiva Reddy resigned from the Congress party upon being elected Speaker of the Lok Sabha. There are examples like Somnath Chatterjee and P.A. Sangma of smoothly conducting the House while commanding the respect of both parties without resigning. However.

मुरादाबाद मंडल में शांतिपूर्वक तरीके से ईद की नमाज, संभल में कड़ी रही सुरक्षा, ड्रोन से निगरानी

मुरादाबाद मंडल में शांतिपूर्ण तरीके से ईद की नमाज अदा की गई। संभल-रामपुर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। मुरादाबाद मंडल में ईद-उल-फितर पर हजारों लोगों ने ईदगाहों और मस्जिदों में एक साथ नमाज अदा की। सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे क्षेत्र में भाईचारे, उत्साह और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी।मुरादाबाद में दो चरणों में हुई नमाज

मुरादाबाद के गलशहीद स्थित ईदगाह में ईद की नमाज दो चरणों में अदा की गई। पहली नमाज सुबह 8 बजे और दूसरी नमाज साढ़े आठ बजे हुई। इस दौरान जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। डीएम, एसएसपी सतपाल अंतिल और एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह सहित कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।कड़ी सुरक्षा और ड्रोन से निगरानी- संभल समेत पूरे मंडल में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा, जबकि कई स्थानों पर ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी की गई। प्रशासन ने पहले से ही शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरती, जिसका असर पूरे आयोजन में साफ दिखाई दिया। गजरौला, बिलारी और ठाकुरद्वारा में भी उत्साह- गजरौला की जामा मस्जिद में नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी। बिलारी के इब्राहिमपुर गांव की ईदगाह में नमाज से पहले इमाम ने तकरीर कर भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया ठाकुरद्वारा नगर के स्योहारा रोड स्थित ईदगाह में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की।

चंदौसी में पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत- चंदौसी के बड़े ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद जब नमाजी लौटे, तो खुर्जा गेट क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान सांप्रदायिक सौहार्द और एकता की मिसाल देखने को मिली।

मौसम बदलते ही जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी

रामपुर। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल में खांसी, जुखाम और बुखार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्थिति यह है कि प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज उपचार के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं, जिससे ओपीडी में भीड़ बढ़ गई है।वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. दशरथ सिंह ने बताया कि मौसम के उतार-चढ़ाव के कारण वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग इसकी चपेट में अधिक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों को दवा देने के साथ-साथ बदलते मौसम से बचाव के उपाय भी बताए जा रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, इस समय लापरवाही बरतने से बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए लोगों को सुबह-शाम ठंड से बचने, साफ-सफाई का ध्यान रखने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जा रही है। साथ ही भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचने और आवश्यकतानुसार मास्क का उपयोग करें।

इरम से नहीं हो सकी पति और परिजनों की मुलाकात, जासूसी के शक में हुई गिरफ्तार; पति ने लगाया ये आरोप

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार इरम से शुक्रवार को परिजनों की जेल में मुलाकात नहीं हुई। पति फैजान का दावा है कि उसे साजिश के तहत फंसाया गया। एटीएस जांच कर रही है।यूपी के संभल जिले में जासूसी के शक में गिरफ्तार दीपा सराय निवासी इरम उर्फ महक के पति फैजान समेत अन्य परिजनों की मुलाकात शुक्रवार को भी जेल में नहीं हो सकी। वह मायूस होकर लौट आए हैं। इरम गाजियाबाद जिले की जेल में बंद है। पति का कहना है कि उनकी पत्नी को किसी साजिश के तहत फंसाया गया है। वह कम पढ़ी लिखी होकर जासूसी कैसे कर सकती है। उसका घर से आना जाना भी कम रहता था। पति का कहना है मुलाकात के बाद ही सही जानकारी सामने आएगी। अभी तक कुछ भी समझ नहीं आ रहा है।इरम पर आरोप है कि उसने दिल्ली-एनसीआर में स्थित सुरक्षा बलों के ठिकानों के फोटो, लोकेशन और वीडियो विदेश भेजे हैं। मोबाइल में इसके प्रमाण होने का दावा गाजियाबाद पुलिस कर चुकी है। इसी क्रम में गिरफ्तारी की गई थी। 12 मार्च से अभी तक इरम की मुलाकात परिजनों से नहीं हुई है। वहीं, दूसरी ओर खुफिया एजेंसी और यूपी एटीएस की संभल यूनिट भी इरम को लेकर छानबीन कर रही है कि वह किस-किस के संपर्क में रहती थी। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म भी खंगाले जा रहे हैं। ताकि संपर्क में रहने वाले लोगों की जानकारी मिल सके। एटीएस की टीम इरम के परिवार और संपर्क में रहे 20 से ज्यादा लोगों से पूछताछ भी कर चुकी है। इरम का पति फैजान ट्रक चालक है। इरम का दो वर्ष का बेटा है और वह इस समय अपने पिता के परिजनों के पास है। उसका भी रो रोकर बुरा हाल है। परिजनों का बैंक खाता होने से भी इन्कार- इरम के मायके और ससुराल की आर्थिक स्थिति ज्यादा मजबूत नहीं है। पति ट्रक चालक है और मायके वाले भी खेती किसानी से जुड़े हैं। मायके में भी कोई बैंक खाता नहीं था। इरम के पति के बहनोई अधिवक्ता आफताब हुसैन का कहना है कि मुलाकात तो अभी तक नहीं हो सकी है, लेकिन परिजनों की जानकारी में कोई बैंक खाता नहीं है। क्योंकि आय के इतने जरिये नहीं है कि बैंक खाते में रुपये जमा करने पड़ते। मुलाकात के बाद स्थिति ज्यादा स्पष्ट हो सकेगी कि कोई बैंक खाता है या नहीं। परिजनों की जानकारी में कोई बैंक खाता नहीं है। आफताब हुसैन का कहना है कि इरम तो सीधे स्वभाव की है। वह इस नेटवर्क में कैसे फंस गई या किसी साजिश के तहत फंसाया गया है। यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

स्वार में दूसरे दिन भी जाम से रेंगते रहे वाहन, राहगीर परेशान

स्वार। ईद की पूर्व संध्या पर नगर में रामपुर-बाजपुर मार्ग पर भीषण जाम लगा। त्योहार के मद्देनजर शुक्रवार को नगर में ग्राहकों की भीड़ सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक रही। जाम के कारण काफी देर तक राहगीर और पर्यटक भीषण जाम से जूझते रहे। राहगीरों का पैदल निकलना भी दुश्वार बना रहा।नगर में बृहस्पतिवार को भी दिनभर जाम की समस्या रही थी। शुक्रवार की साप्ताहिक बंदी के बावजूद ईद के मद्देनजर बाजार खुला रहा। इसके चलते रामपुर-बाजपुर मार्ग पर बढ़ती भीड़ और अनियंत्रित ई-रिक्शाओं की आवाजाही के चलते बिलासपुर तिराहा, कोतवाली चौराहा और अगलगा चौराहे पर हालात और ज्यादा बिगड़ गए। शुक्रवार को इन प्रमुख चौराहों पर पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया। नगर के अंदरूनी बाजार में भी भारी भीड़ रही। बाजार में ईद के लिए खरीदारी अपने चरम पर रही। नगर के मुख्य बाजार, कोतवाली बाजार, नगर पालिका शॉपिंग बाजार समेत अन्य बाजारों में भीड़ रही। सीओ अतुल कुमार पांडेय ने बताया कि ईद की पूर्व संध्या पर बाजारों में भीड़ बढ़ रही है, पुलिस ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया

मूल्यांकन ड्यूटी से गैरहाजिर 260 शिक्षकों को नोटिस जारी

रामपुर। यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में लापरवाही बरतने वाले 260 शिक्षकों के खिलाफ डीआईओएस अंजलि अग्रवाल ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मूल्यांकन ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर सभी संबंधित शिक्षकों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है।डीआईओएस ने बताया कि मूल्यांकन केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कई शिक्षक बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहे, जिससे मूल्यांकन कार्य प्रभावित हुआ। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की है।उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देश दिया है कि वे समय से मूल्यांकन केंद्रों पर उपस्थित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब न देने पर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। डीआईओएस ने कहा कि मूल्यांकन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ी

रामपुर। ईद के एक दिन पूर्व रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। त्योहार पर घर पहुंचने के लिए लोगों ने सफर किया, लेकिन अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन न होने से नियमित ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ रही। ए

सी और स्लीपर कोच में कन्फर्म टिकट नहीं मिल पा रहे जिससे यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। सुबह से ही आला हजरत, दून एक्सप्रेस, योगनगरी ऋषिकेश समेत कई ट्रेनें खचाखच भरी रहीं। एसी व स्लीपर कोच फुल होने के साथ ही सामान्य कोच में भी पांव रखने की जगह नहीं थी। यात्रियों को सीटों के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी। पिछले एक सप्ताह से यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी थी और शुक्रवार को यह भीड़ और अधिक रही। देर रात तक लोगों की आने का सिलसिला जारी रहा। स्टेशन अधीक्षक मोहम्मद आजम ने बताया कि ईद के कारण ट्रेनों में भीड़ अधिक है।

‘नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना’ से डेयरी सेक्टर में नई क्रांति: ऋण-अनुदान प्रक्रिया में तेजी, तीन वर्ष में 204 डेयरी का लक्ष्य

योगी सरकार की ‘नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना’ प्रदेश में डेयरी सेक्टर को नई दिशा दे रही है। किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से चलाई जा रही इस योजना के तहत तीन वर्षों में 204 डेयरी इकाइयों की स्थापना मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार, योजना के प्रभावी की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 ऋण स्वीकृति और अनुदान प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जिलों में ऋण स्वीकृति और अनुदान वितरण तेजी से करते हुए 57 जनपदों में 114 इकाइयों की स्थापना का देवरिया और रामपुर समेत कई जिलों में ऋण स्वीकृति अनुदान वितरण की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। मामलों का शीघ्र निस्तारण कर लाभार्थियों तक समय पर को मजबूत कर रही है, बल्कि किसानों को अतिरिक्त में दुग्ध उत्पादन बढ़ने के साथ ग्रामीण स्तर पर रोजगार

का लक्ष्य तय किया गया है। पशुपालन विभाग के अपर क्रियान्वयन के लिए बैंक ऋण स्वीकृति और अनुदान वितरण में 50 इकाइयों के लक्ष्य के सापेक्ष अधिकांश मामलों में वहीं 2024-25 में 40 इकाइयों के लक्ष्य के तहत कई जारी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना का विस्तार लक्ष्य रखा गया है।जौनपुर, ललितपुर, जालौन, संभल, शत-प्रतिशत पूरी हो चुकी है, जबकि प्रथम किश्त के सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि लंबित सहायता पहुंचाई जाए। यह योजना न केवल डेयरी नेटवर्क आय का स्थायी स्रोत भी उपलब्ध करा रही है। इससे प्रदेश के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ओवर स्पीड वाहनों पर कार्रवाई, लाइसेंस भी होंगे निरस्त

मुरादाबाद। जिले में बढ़ते सड़क हादसों और उनमें हो रही मौतों को गंभीरता से लेते हुए अब प्रशासन सख्त कदम उठाएगा। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम हाईवे पर अनियंत्रित गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाएगी। इसमें हाईवे पर अनियंत्रित गति से दौड़ते वाहनों को चालानी कार्रवाई में भारी आर्थिक दंड भुगतना पड़ेगा। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) संदीप कुमार पंकज ने बताया कि अभियान में संयुक्त रूप से परिवहन विभाग और यातायात का एक विशेष दस्ता हाईवे पर तैनात रहेगा। जो ओवरस्पीड और लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर नजर रखेगा। यह टीम आधुनिक उपकरणों की मदद से वाहनों की गति पर नियंत्रण सुनिश्चित करेगी।

अभियान के तहत तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों के तुरंत चालान काटे जाएंगे। बार-बार नियम तोड़ने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर वाहनों को भी सीज किया जा सकता है। इस कदम का उद्देश्य सड़क हादसों में कमी लाना और लोगों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मूंढापांडे क्षेत्र में तेज रफ्तार के कारण हुए एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की जान चली गई थी। इस घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है और इसके बाद हाईवे पर सख्ती बढ़ाने का निर्णय लिया गया। सड़क हादसों में लगातार बढ़ रही मौतों की संख्या को लेकर उच्च स्तर पर भी चिंता जताई गई है। वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें।

बेमौसम बारिश और तेज हवा से खेतों में गिरी गेहूं की फसल, किसान चिंतित

रामपुर। जिले में शुक्रवार तड़के चली तेज हवा और उसके बाद हुई बारिश से कई जगह गेहूं की फसल जमीन में गिर गई। खेत में कटी सरसों की फसल भीग गई। उधर, आम के बौर को भी नुकसान पहुंचा है। बारिश के कारण अधिकतम तापमान 31 डिग्री से गिरकर 20 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इससे दिन में लोगों को ठंड का एहसास हुआ। मौसम विभाग ने शनिवार से कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है।जिले में सुबह तीन बजे से रुक-रुककर हल्की बारिश होती रही। उधर तेज हवा चलने से गेहूं की फसल गिर गई। बृहस्पतिवार को जिले का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 20 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में भी दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बारिश के कारण बाजार में भीड़ न के बराबर रही। सड़कें खाली रही। कुछ लोग छाता पकड़कर चलते दिखाई दिए। लोगों ने ठंड के कारण गर्म कपड़े निकाल लिए।चार बजे बाद बारिश रुकने के बाद बाजार में चहल-पहल देखने को मिली। मौसम वैज्ञानिक मो. दानिश ने बताया कि शनिवार को कहीं-कहीं हल्के बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं बौछार पड़ सकती है। रविवार से मौसम पूरी तरफ साफ हो जाएगा। कहा कि अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री और न्यूनतम 15.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। जिले में कई जगह बिजली तीन से आठ घंटे रही बाधित- बारिश के कारण शहर सहित जिले के अधिकांश क्षेत्रों में तीन से लेकर आठ घंटे की कटौती हुई। बिजली विभाग के अनुसार तेज हवा के कारण कई जगह बिजली लाइन में टहनियां गिर गई। फॉल्ट के कारण लोगों को बिजली नहीं मिल सकी। स्वार, मिलकखानम, मसवासी, केमरी में तेज हवा और बारिश के चलते शुक्रवार तड़के से नगर सहित आसपास 36 से भी अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति ठप है। बिजली के अभाव में पेयजल आपूर्ति भी बाधित रहने से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के चलते नगर सहित मोहल्ला भूबरा, चाऊपुरा के अलावा क्षेत्र के गांव बिजारखाता, मानपुर उत्तरी, शिकारपुर, मझरा हस्सन, किशनपुर मौलागढ़, खुशहालपुर, रहमतगंज, मंसूरपुर, करीमपुर, मिलक नौखरीद, घोसीपुरा पट्टीकलां, हसनपुर उत्तरी, ज्वालापुर, शेखुपुरा, किशनपुर आरपी, फतेहगंज, चौहद्दा, जमना-जमनी, बेलवाड़ा, त्रिलोकपुर, कुंदनपुर, गांगन नगली, अलीगंज, मिलक भूबरी आदि गांवों की बिजली आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। अलविदा जुमा पर भी बिजली ठप रहने से रोजेदारों को बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। जेई श्याम सिंह ने बताया कि टीम पेट्रोलिंग कर रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीएम डैशबोर्ड व फैमिली आईडी की समीक्षा बैठक : डी एम के सख्त निर्देश, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा /बरेली - कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड एवं फैमिली आईडी से संबंधित विकास विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी माह के नए लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारियां शुरू कर दी जाएं। जिन विभागों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वे तत्काल सुधार करें। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा करते हुए पीओ डूडा को निर्देशित किया कि लक्ष्य के अनुरूप सोलर पैनल स्थापना कार्य में तेजी लाई जाए, क्योंकि इसकी निगरानी सीधे शासन स्तर से की जा रही है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि कानून व्यवस्था माननीय मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फैमिली आईडी निर्माण की समीक्षा के दौरान श्रम विभाग और एनआरएलएम के पीछे रहने पर नाराजगी जताते हुए लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही उपनिदेशक कृषि को किसान सम्मान निधि एवं फार्मर रजिस्ट्री की लंबित प्रविष्टियों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, परियोजना निदेशक चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

HPCL गोलीकांड: शोक में डूबे परिवार से मिले केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, कड़ी कार्रवाई का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। बदायूं स्थित HPCL प्लांट में हुए सनसनीखेज गोलीकांड में मारे गए डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा के परिजनों से शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद ने पूरनपुर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना रहा।मंत्री ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और इस दुख की घड़ी में हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने घटना की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि यह बेहद दुखद और जघन्य अपराध है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय विधायक बाबूराम पासवान भी मौजूद रहे। उन्होंने पीड़ित परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मृतक के पिता और भाई को शस्त्र लाइसेंस प्रदान किए, जिससे उन्हें सुरक्षा का भरोसा मिल सके। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने स्पष्ट किया कि इस निर्मम हत्या के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच कराई जाएगी तथा दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। घटना के बाद से पूरे इलाके में लोगों में भारी आक्रोश है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है। वहीं प्रशासन भी मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

शहीद दिवस पर देशभर में 'मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी' पदयात्रा का होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहीद दिवस 23 मार्च के अवसर पर युवा मामले और खेल मंत्रालय के अंतर्गत 'मेरा युवा भारत' कार्यक्रम द्वारा देश के 763 जिलों में जिला स्तरीय पदयात्राओं का आयोजन किया जाएगा। उप निदेशक बरेली पुष्पा सिंह ने बताया कि यह पहल भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से की जा रही है। ?मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नागरिक जिम्मेदारी और सामुदायिक विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। प्रत्येक जिले में कम से कम 500 युवा स्वयंसेवकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। 19 मार्च से पूर्व गतिविधियों में ऑनलाइन क्विज, एक युवा ऐसा भी विषय पर रील प्रतियोगिता तथा 22 मार्च को स्वच्छता और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान शामिल हैं। 23 मार्च को कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि और स्मरण भाषण से होगी, जिसके बाद 2-4 किमी की पदयात्रा निकाली जाएगी। बरेली में यह पदयात्रा सुबह सात बजे खंडेलवाल कॉलेज से शुरू होगी, जिसमें युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का संदेश दिया जाएगा।

नारी शक्ति समाज की शक्ति—मिशन शक्ति के तहत पुलिस लाइन से निकली जागरूकता बाइक रैली

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मिशन शक्ति अभियान (द्वितीय चरण) के अंतर्गत बरेली में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया।

रैली को रिजर्व पुलिस लाइन बरेली से अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी, जिससे समाज के हर वर्ग तक महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का मजबूत संदेश पहुंचाया गया।

रैली में महिला पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस दौरान एसपी सिटी मानुष पारीक, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल खान, सहायक पुलिस अधीक्षक अंजना दहिया सहित अन्य अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही।

एडीजी रमित शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का एक सशक्त आंदोलन है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर बनाना है।

पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। आमजन से अपील की गई कि किसी भी आपात स्थिति में वूमेन पावर लाइन 1090, इमरजेंसी सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर हेल्पलाइन 1930, महिला हेल्पलाइन 181, एंबुलेंस 102/108 और फायर सेवा 101 का तुरंत उपयोग करें।

जनपद के सभी थानों में मिशन शक्ति डेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां महिला पुलिसकर्मियों द्वारा पीड़िताओं को सम्मानजनक व्यवहार के साथ त्वरित सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही महिला बीट अधिकारी, एंटी रोमियो टीम और विशेष दलों द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।इसके अतिरिक्त, साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव को लेकर भी लोगों को समय समय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आने वाले दिनों में मिशन शक्ति के तहत नुक्कड़ नाटक, संवाद गोष्ठियां और विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को और अधिक मजबूत किया जा सके।

नमाज के बाद देश दुनिया में शांति की दुआ के साथ एक दूसरे को गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर भर में ईद उल फितर के त्योहार का जश्न रहा। सुबह से ही तमाम मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद देश और दुनिया में अमन के लिए दुआ को हाथ उठे।

ईद के मुबारक मौके पर शनिवार को सुबह से ही बच्चों और बड़ों ने नए-नए कपड़े पहनकर मस्जिदों और ईदगाह का रुख किया। रमजान के पूरे महीने इबादत कर ईद की खुशियां मनाई। ईद की नमाज अदा कर एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। मस्जिदों में इमामों ने मिल्लत की खुशहाली के साथ मुल्क-ए-हिंदुस्तान की तरक्की और मस्जिदें अक्सा व फिलिस्तीन के मुसलमानो के लिए खुसूसी दुआ की। शहर में मुख्य नमाज़ बाकरगंज स्थित ईदगाह में सुबह 10.30 बजे काजी ए हिंदुस्तान मुफ्ती असजद रज़ा क़ादरी (असजद मिया) ने अदा करायी। इस मौके पर जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान मियां ने भी सबको गले मिलकर मुबारकबाद दी। यहां की व्यवस्था ईदगाह कमेटी के खलील अहमद, हबीब हुसैन, महताब अली, शादाब हुसैन, महबूब अंसारी, आमिर खान आदि ने संभाली।

लोगो ने नमाज़ अदा कर कब्रिस्तान जाकर अपने पुरखों के लिए फातिहा पढ़कर ईसाले सवाब किया। इसके बाद दावतों का दौर चला। बड़ो ने बच्चों को ईदी दी। सबसे पहले बाजार सन्दल खान स्थित दरगाह वली मियां में नमाज अदा की गई। इसके बाद दरगाह ताजुशशरिया, दरगाह शाह शराफत मिया,दरगाह बशीर मियां, ख़ानक़ाह-ए-वामिकिया, ख़ानक़ाह-ए-नियाज़िया,दरगाह शाहदाना वली, दरगाह रफीक-उल-औलिया,जामा मस्जिद,दरगाह नासिर मियां(नौमहला मस्जिद),मस्जिद बीबी जी,पीराशाह मस्जिद,हबिबिया मस्जिद,नूरानी मस्जिद,कचहरी वाली मस्जिद,मसीत उल्लाह हरी मस्जिद,मुफ्ती आजम हिंद मस्जिद आदि मस्जिदों ने नमाज अदा की गई। दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि सबसे आखिर में सुबह 11 बजे दरगाह आला हज़रत की रज़ा मस्जिद में मुफ्ती ज़हीम रज़ा ने नमाज़ अदा करा कर खुत्बा पढ़ा।

इसके बाद अल्लामा तौसीफ मियां ने खुसूसी दुआ की। यहां दरगाह प्रमुख सुब्हानी मिया,सज्जादानशीन मुफ़्ती अहसन मियां, हज़रत मन्नानी मियां समेत आला हज़रत के परिवार ने नमाज़ अदा की। दरगाह प्रमुख सुब्हानी मियां व मुफ़्ती अहसन मियां ने सभी को मुबारकबाद पेश की।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खेतों तक पहुंचा प्रशासन, गन्ना प्रजातीय सर्वे का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। पूरनपुर चीनी मिल क्षेत्र में चल रहे गन्ना प्रजातीय सर्वे का जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण ग्राम पिपरिया दुलई, जनकापुर, केशोपुर और लाह में किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गन्ना पर्यवेक्षकों के कार्य की जांच करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गन्ना प्रजातियों की सही पहचान बेहद जरूरी है, इसलिए सर्वे कार्य पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से किया जाए। जिला गन्ना अधिकारी ने खेतों में पहुंचकर किसानों से बातचीत भी की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने किसानों को उन्नत प्रजातियों के चयन और बेहतर उत्पादन तकनीकों की जानकारी दी। इस दौरान ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, मुख्य गन्ना अधिकारी, गन्ना समिति के डायरेक्टर सहित गन्ना पर्यवेक्षक और कई किसान मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद सर्वे कार्य को और बेहतर तरीके से करने पर जोर दिया गया।

IGRS में अव्वल रहा पीलीभीत, एसपी सुकीर्ति माधव ने टीम को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। जनशिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में पीलीभीत पुलिस ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। फरवरी माह में ढ्ढत्ररूस् पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में नंबर-1 रहने पर पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने ढ्ढत्ररूस् टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एसपी सुकीर्ति माधव ने टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनसुनवाई और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आम जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता बेहद जरूरी है, जिसे ढ्ढत्ररूस् टीम ने अपने कार्यों से सिद्ध किया है। एसपी ने टीम के सभी सदस्यों को भविष्य में भी इसी तरह समर्पण और लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। इस उपलब्धि से पुलिस विभाग में उत्साह का माहौल है। साथ ही यह सफलता अन्य जनपदों के लिए भी एक प्रेरणा बनकर उभरी है, जिससे जनसेवा के क्षेत्र में बेहतर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

क्रिकेट खेलते समय बीएससी के छात्र की मौत, ईद की छुट्टी पर आया था घर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हाफिजगंज इलाके में क्रिकेट खेलते समय शुक्रवार को बीएससी के छात्र शाकिब की अचानक मौत हो गई। परिजन कार्डियक अरेस्ट से मौत की आशंका जता रहे हैं। ईद से पहले शाकिब की मौत से उसके परिवार में मातम पसर गया। लोगों ने उनके घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। गांव हरहरपुर मटकली निवासी रहीस अहमद का 22 वर्षीय पुत्र शाकिब दिल्ली में रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रहा था। वह ईद मनाने के लिए सात दिन पूर्व घर आया हुआ था। परिजनों ने बताया कि दोपहर 12 बजे वह अपने दोस्तों के साथ गांव के ईदगाह के पास मैदान पर क्रिकेट खेल रहा था। तभी वह अचानक जमीन पर गिर गया। उसकी सांस फूलने लगी। उसे आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शाकिब चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। वह पढ़ाई में बेहद होशियार था। वह चिकित्सक बनना चाहता था।

पीसीएस-2024 का साक्षात्कार समाप्त, परिणाम अप्रैल के पहले सप्ताह में संभावित

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चल रहे पीसीएस-2024 का साक्षात्कार शुक्रवार को समाप्त हो गया। इसका परिणाम अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक आ सकता है। साक्षात्कार के अंतिम दिन अभ्यर्थियों से प्रशासन, विज्ञान और व्यक्तिगत अनुभव से जुड़े सवाल पूछे गए।उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चल रहे पीसीएस-2024 का साक्षात्कार शुक्रवार को समाप्त हो गया। इसका परिणाम अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक आ सकता है। साक्षात्कार के अंतिम दिन अभ्यर्थियों से प्रशासन, विज्ञान और व्यक्तिगत अनुभव से जुड़े सवाल पूछे गए। पैनल के सदस्यों ने उम्मीदवारों की तर्क क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और व्यावहारिक सोच को परखने पर विशेष जोर दिया। सुबह की पाली में प्रति पैनल सात अभ्यर्थी और शाम दो बजे से शुरू हुए साक्षात्कार में छह अभ्यर्थी प्रति पैनल शामिल हुए। अभ्यर्थियों से इतिहास, एआई, विज्ञान, प्रशासनिक क्षमता, कार्यप्रणाली से जुड़े तरह-तरह के सवाल किए गए। आयोग ने हिंदी विषय के दो अभ्यर्थियों को घोषित किया असफल- लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (एलटी ग्रेड) (प्रा.) परीक्षा 2025 के अंतर्गत हिंदी विषय के 690 पदों का परिणाम पांच फरवरी को घोषित किया गया था। इसमें दो अभ्यर्थियों को परिणाम संशोधित कर असफल कर दिया गया हैं।परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पांडेय के अनुसार परीक्षा परिणाम में दो अभ्यर्थियों अनुक्रमांक 0414083 एवं 0571080 को संबंधित पद की अनिवार्य अर्हता धारित न करने के कारण उक्त पद के लिए असफल घोषित किया गया है। उन्होंने कहा है कि पांच फरवरी 2026 को घोषित परीक्षा परिणाम में इसे संशोधित समझा जाए। जेएसए/एलडीसी विभागीय परीक्षा 2023-24 का अंतिम परिणाम जारी एसएसएसी ने जूनियर सचिवालय सहायक (जेएसए) और निम्न श्रेणी लिपिक (एलडीसी) की विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2023-24 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। यह परिणाम सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) संवर्ग के लिए घोषित किया गया है। आयोग के अनुसार अन्य संवर्गों के परिणाम पहले ही जारी हो चुके थे। एएफएचक्यू का परिणाम न्यायालय में लंबित मामलों के कारण रोका गया था। वर्ष 2023 में 20 पदों के लिए 20 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। अंतिम चयनित अभ्यर्थी के 186.50 अंक रहे। समान अंक होने पर वरीयता तय करने के लिए प्रथम प्रश्न पत्र, फिर द्वितीय के भाग (क), उसके बाद कुल अंक और अंत में आयु को आधार बनाया जाएगा। चयन सूची फिलहाल, अस्थायी है। दस्तावेज सत्यापन के बाद ही अंतिम नियुक्ति होगी। चयन पोस्ट परीक्षा की फाइनल आंसर की और रिस्पॉन्स शीट जारी एसएससी ने चयन पोस्ट फेज-13 परीक्षा 2025 के लिए फाइनल आंसर की और प्रश्न पत्र के साथ रिस्पॉन्स शीट वेबसाइट पर अपलोड़ कर दी है। कंप्यूटर आधारित इस परीक्षा का परिणाम पांच फरवरी को जारी हुआ था। इसमें मैट्रिकुलेशन, हायर सेकेंडरी (10+2) और स्नातक स्तर की परीक्षाएं शामिल थीं। उम्मीदवार अपने रोल नंबर और पासवर्ड का उपयोग करके 20 मार्च से 19 अप्रैल शाम छह बजे तक वेब लिंक के माध्यम से लॉग इन कर सकते हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उम्मीदवार निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी फाइनल आंसर की और रिस्पान्स शीट का प्रिंटआउट ले लें, क्योंकि इसके बाद यह लिंक बेवसाइट पर उपलब्ध नहीं होगा। वर्तमान चरण में उम्मीदवारों के स्कोर कार्ड या नॉर्मलाइज्ड अंक जारी नहीं किए गए

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव पेड़ से लटकता हुआ मिला

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /द फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक आम के बाग में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव पेड़ से लटकता हुआ पाया गया। मृतक की उम्र करीब 30 से 32 वर्ष के बीच आंकी जा रही है और उसके पहनावे से अंदेशा जताया जा रहा है कि वह किसी निजी कंपनी में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत था। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

बागबान ने देखा सबसे पहले शव- जानकारी के अनुसार, जिस बाग में शव मिला है वह रेलवे स्टेशन की पूर्वी पितौरा क्रॉसिंग और कायमगंज-अचरा मार्ग के पश्चिम में स्थित है और संतोष गंगवार का बताया जा रहा है। शनिवार को जब एक बागबान वहां कीटनाशक छिड़काव के उपकरणों की जांच करने पहुंचा, तो उसकी नजर पेड़ से लटकते शव पर पड़ी। घटना से घबराए बागबान ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की खबर इलाके में आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

सिक्योरिटी गार्ड की वर्दी और पास मिला बैग- मृतक की वेशभूषा के बारे में जानकारी देते हुए प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसने नीले रंग की पैंट और हल्के नीले रंग की शर्ट पहन रखी थी।

उसकी कमर पर एक प्राइवेट सिक्योरिटी की बेल्ट भी बंधी मिली है। इसके अलावा, दाहिने हाथ में दो अंगूठियां, कलाई पर कलावा और एक कड़ा मौजूद था। पुलिस को घटनास्थल से पेड़ के पास रखी एक पानी की बोतल और एक पिट्ठू बैग भी बरामद हुआ है, जिससे मृतक के बारे में कुछ सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पुलिस और फॉरेंसिक टीम की जांच शुरू- घटना की सूचना मिलते ही कायमगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन चतुर्वेदी और क्राइम इंस्पेक्टर सुरजीत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया।क्राइम इंस्पेक्टर सुरजीत सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से गहनता से जांच की जा रही है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। मौके से साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। फॉरेंसिक जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए फतेहगढ़ भेज दिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन अभी किसी भी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस हत्या समेत अन्य सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच को आगे बढ़ा रही है और सबसे पहले मृतक की शिनाख्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद= जिले में शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मनाया गया। शहर और ग्रामीण अंचलों की प्रमुख ईदगाहों तथा मस्जिदों में अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की गई। इस मौके पर जहां एक ओर मुल्क में अमन-चैन, शांति और भाईचारे की दुआएं मांगी गईं, वहीं दूसरी ओर कुछ स्थानों पर वैश्विक स्तर पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ काली पट्टी बांधकर विरोध भी दर्ज कराया गया।चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस की नजर, ड्रोन से हुई निगरानी- प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से पुख्ता इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी (DM) और पुलिस अधीक्षक (SP) ने विभिन्न नमाज स्थलों का स्वयं जायजा लिया। नमाज के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया गया। प्रशासन की सख्ती के चलते सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी गई। सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय भी बीबीगंज चौकी पर मुस्तैद रहीं और लोगों को ईद की बधाई दी।नमाज के बाद बाहर निकले लोगों का राजनीतिक दलों ने भी स्वागत किया। कांग्रेस नेता शुभम तिवारी और उनकी टीम ने नमाजियों पर पुष्प वर्षा की, जबकि आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष नीरज ने स्टॉल लगाकर लोगों को गले मिलकर मुबारकबाद दी।अमन-शांति और भाईचारे का दिया गया संदेश ।शहर की नई ईदगाह में मौलाना मोअज्जम अली, पुरानी दरगाह में मौलाना शमशाद अहमद चतुर्वेदी और फतेहगढ़ में मौलाना राशिद ने नमाज पढ़ाई। नमाज के बाद खुतबे में मौलानाओं ने देश को शैतानों व जालिमों से बचाने और मुल्क में मोहब्बत कायम रखने की दुआ मांगी।धर्मगुरुओं ने दुनिया में चल रही जंगों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ईद खुशियों का त्योहार है और यह खुशी पूरी दुनिया में फैलनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भेदभाव भुलाकर मेल-मोहब्बत से रहें। स्थानीय लोगों, जैसे मोहम्मद शाकिर, मजरुद्दीन और हाजी अकील अहमद ने भी प्रशासन की व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए हिंदू-मुस्लिम एकता और मिलजुल कर रहने पर जोर दिया।काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की, इजरायल-अमेरिका का विरोध

इस बार ईद के मौके पर शहर की सुनहरी मस्जिद में एक अलग ही नजारा देखने को मिला। यहाँ कुछ नमाजियों ने बांहों पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की। भीड़ में एक युवक अयातुल्ला अली हुसैनी खामेनेई की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहने नजर आया। नमाज के बाद तुम कितने हुसैनी मारोगे, हर घर से हुसैनी निकलेगा जैसे नारे भी लगाए गए।इस मौके पर मौलाना मोहम्मद अब्बास ने अमेरिका और इजरायल पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान में मासूम बच्चों के स्कूलों पर बमबारी की गई है। मौलाना ने कहा कि इस बार ईद सादगी से मनाई जा रही है और काली पट्टी बांधकर दुनिया को यह संदेश दिया गया है कि हम हर तरह के जुल्म के खिलाफ हैं, चाहे वह ईरान में हो, पाकिस्तान में या दुनिया के किसी भी कोने में। उन्होंने कर्बला का संदेश याद दिलाते हुए कहा कि जुल्म के आगे सरेंडर करने के बजाय उसके खिलाफ डटकर खड़ा होना चाहिए। दरगाह हजरत अब्बास पर भी कुछ लोगों ने काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की।

अमरिया ब्लॉक सभागार में पशुपालकों का प्रशिक्षण शिविर, आधुनिक पशुपालन की दी गई जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत/अमरिया। क्षेत्र के ब्लॉक सभागार में आज पशुपालकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पशुपालकों ने भाग लेकर आधुनिक पशुपालन की बारीकियों को समझा। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी आय में वृद्धि करना रहा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशु चिकित्सा अधिकारी धनपाल सिंह ने उपस्थित पशुपालकों को मुर्गी, सूकर, बकरी, गाय एवं भैंस पालन के वैज्ञानिक तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पशुओं में होने वाली प्रमुख बीमारियों, उनके लक्षण एवं बचाव के उपायों पर विशेष जोर देते हुए समय-समय पर टीकाकरण कराने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने कहा कि यदि पशुपालक आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं का सही तरीके से लाभ उठाएं, तो पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है। साथ ही विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में पशुपालकों को यह भी जागरूक किया गया कि आवारा पशुओं को सड़कों पर न छोड़ें, बल्कि उन्हें नजदीकी गौशाला में ही सुरक्षित रखें, जिससे दुर्घटनाओं और अन्य समस्याओं से बचा जा सके।

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी महेंद्र पाल, ग्राम प्रधान सुखलाल, पलविंदर सिंह, प्रिंस सहित मैत्री पशु मित्र एवं क्षेत्र के सैकड़ों पशुपालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण विकास और पशुपालकों के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

अमरिया क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया ईद-उल-फितर, गले मिलकर दी एक-दूसरे को मुबारकबाद, प्रशासन रहा मुस्तैद

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत/अमरिया। अमरिया तहसील क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास, शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही क्षेत्र की मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ी।

कस्बा अमरिया सहित ग्राम धुंधरी, करघैना, उदयपुर, जगत, निसरा, भौनी, पिजरा वमनपुरी, तुमड़िया, ढेरम तथा सरैनी तुरकुनिया समेत क्षेत्र के विभिन्न गांवों में ईद की नमाज सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नमाज के दौरान देश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी प्रेम एवं सौहार्द का संदेश दिया। बच्चों और युवाओं में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। घरों में सेवइयां और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए गए तथा मेहमानों का स्वागत किया गया।

त्योहार के दृष्टिगत प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल तैनात रहा और अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जाती रही, जिससे पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रही। कुल मिलाकर अमरिया क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

निर्माणाधीन होटल ए0बी0रोड सुमैला पर दबिश देकर जुआ खेल रहे 05 आरोपियों पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच /राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा जिले में शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये अवैध गतिविधियों मे संलिप्त

आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु व क्षेत्र मे जुआ सट्टा खेलने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन मे दिनांक 20.03.26 को थाना प्रभारी बदरवास निरीक्षक रोहित दुबे एवं थाना बदरवास पुलिस टीम के द्वारा जुआ के खिलाफ कार्यवाही करते हुये जुआ खेल रहे आरोपियों को पकड़कर उनके कब्जे से नगदी 57000 रुपये जप्त करने मे सफलता प्राप्त की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं अनुविभागीय अधिकारी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही कर थाना बदरवास से पुलिस टीम गठित की जाकर निर्माणाधीन होटल ए0बी0रोड सुमैला पर दबिश दी जाकर 5 आरोपियों को ताश पत्तों से हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेलते रंगे हाथों पकडा गया, जुआरियों से कुल नगदी 57000 रूपये एवं ताश की गड्डी जप्त की गयी है। अन्य जुआरी मौके से फरार हैं जिनकी तलाश जारी हैं। आरोपीगणों के खिलाफ अपराध क्रमांक 110/2026 धारा 13 जुआ एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरी रोहित दुबे, सउनि0 जगदीश पाराशर, सउनि रघुवीर सिंह मखेनिया, सउनि) विवेक भट्ट, सउनि गोपाल बाबू प्र0आर0 गोविन्द भदौरिया, आर नीरज आर दीपक आर चालक दीनू, आर सदन भिलाला, आर0 गोलू प्रजापति, आर0 थान सिहं, आर0 राजकुमार की मुख्य भूमिका रही।

ग्रामीण क्षेत्र में पटवारी पहुंचे मौके पर ग्रामीणों ने विधायक एवं जिलाधिकारी की क्षेत्र के निरीक्षण की फसलों की नष्ट होने की जांच करवाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ आज हमारे क्षेत्र ग्राम परस परसोरा, सुरई मुंद्रा, और अनडिया खुर्द में कल हुई ओलावृष्टि से हुए नुकसान का आकलन करने 4=00 बजे हमारे शमशाबाद क्षेत्र के विधायक बड़े भाई श्री सूर्यप्रकाश मीणा जी आ रहे हैं। और आज अभी विदिशा अतिरिक्त कलेक्टर श्री अनिल डामोर जी, एडिशनल एसपी डॉ. श्री प्रशांत चौबे जी, एसडीएम श्रीमान क्षितिज शर्मा जी अपने गिरदाबल, पटवारी और प्रशासनिक दलवल के साथ क्षेत्र में किसानों के हुए नुकसान का आकलन करने पधारे। क्षेत्र के किसानों ने ओलावृष्टि से हुए नुकसान की तत्काल मुआवजा तथा फसल बीमा की मांग रखी।

पठारी में प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण दिया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वार चयनित नवांकुर संस्था ग्राम मथुरापुर शानवी मानव उत्थान सेवा समिति एवं जिला सवन्वयक पूजा श्रीवास्तव, ब्लॉक सवन्वयक आशीष जैन, मेंटर्स संदेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में पठारी सेक्टर में में उल्लेखनीय कार्य लगातार किये जा रहे द्य उसी क्रम में 17 मार्च 2026 को ग्राम पंचयात भवन पठारी में प्रस्फुटन समितियों का गुणवत्ता पूर्ण एवं क्षमतावर्धन प्रक्षिशण दिया गया द्य यह कार्यक्रम क्रमबध्य तरीके से संचालित हुआ द्य इस कार्यक्रम के मुख्य अथिति सरपंच, विधायक प्रतिनिधि, समाजसेवी इंजी. अखिलेश पंथी, विशेष अथिति शिक्षक होशियार सिंह यादव उपस्थित रहे द्य कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की पूजा अर्चना कर किया गया द्य इसके बाद सभी अथितियों का पुष्पमाला एवं शिक्षा का प्रतिक कलम भेट कर, ह्रदय प्रिये वाक्यों से भव्य स्वागत किया गया द्य आयोजक संस्था प्रमुख्य जीवन सिंह ने कार्यक्रम का उदेश्य बताया की यह कार्यक्रम ग्राम स्तर पर कार्यरत प्रस्फुटन समितियों का कार्य क्षमतावर्धन प्रशिक्षण हैं जिससे वे ग्राम स्तर पर गुणवत्ता पूर्ण, लोक प्रिये प्रभावशाली कार्य कर सके, शासन प्रशासन का सहयोग, स्थानीय जन समस्याओं का स्थानीय स्थान पर समाधान कर सके द्य इसके साथ पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जैविक खेती, औषधीय खेती, पर्यावरण मित्र बनने की बात बताई और स्थानीय समाजसेवी, भारत देश के सच्चे सेवक रिटार्ड सम्मानीय लोगो का सम्मान करना हमारा मुख्य उद्देश्य हैं द्य इसके बाद विषय विशेषकों के माध्यम से प्रस्फुटन समितियों को विषय अनुसार एवं बिंदुवार प्रशिक्षण दिया गया द्य प्रक्षिशण के बाद नवांकुर सखियों, प्रस्फुटन समितियों, उच्च शिक्षाविद युवक युवतियों, महिलाओं का अथितियों के कर कमलों से प्रमाण पत्र द्वारा सम्मान किया गया द्य सरपंच प्रतिनिधि इंजी. अखिलेश पंथी ने शिक्षा जगत में एक नई पहल की हैं उन्होंने कहाँ, शिक्षा के क्षेत्र में कोई पीछे ना रहे, किताबों के आभाव में कोई पीछे ना छूट जाये , विद्यार्थी पढ़ाई करो, किताबों की पूर्ति हम करेंगे, विद्यार्थीओ के लिए पुस्तकालय के नये द्वार खोले कई किताबे पढ़ने के लिए वितरण भी की गई द्य देश सेवक रिटार्ड शिक्षक माननीय होशियार सिंह जी यादव का सभी की उपस्थिति में सामूहिक रूप से सम्मान किया गया द्य जीवन सिंह ने कहाँ रिटार्ड संस्था से होते हैं यह एक औपचारिकता हैं, लेकिन समाज से नहीं द्य शिक्षक आज भी अपने कर्तव्य पर हैं, उनके द्वारा प्रदान की गई शिक्षा से आज क्षेत्र के लोग प्रत्येक क्षेत्र में निम्न से लेकर अच्छे उच्च पदों पर जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, शिक्षक, पुलिस, सैना, पटवारी, इत्यादि पदों पर कार्यरत हैं द्य वही सरपंच प्रतिनिधि ने भी सर की जमकर तारीफ की जो भी हू सर के ही बदौलत हू द्य शिक्षक की सभी ने जमकर प्रसंशा की द्य इस कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम पंचयात के समस्त स्टाफ, सचिव गोविन्द सिंह राजपूत, रोजगार साहयक निक्की जैन, समस्त आंगनवाड़ी स्टाफ, स्थानीय समाजसेवी, स्थानीय एवं क्षेत्र के लोग,पठारी सेक्टर से सभी प्रस्फुटन समितियां चेतराम साहू, प्रदीप राजपूत, शिवकांत दांगी, घनश्याम दांगी, अंकेश सूर्यवंशी, पीतम भदौरिया, रविशंकर साहू, गुलाबबाई, बीएसडब्लू, एमएसडब्लू के विद्यार्थी सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे द्य

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
22 March 2026

योगी बोले- हर व्यक्ति ने प्रकृति के साथ हुए खिलवाड़ के दुष्परिणाम को झेला, सोचना चाहिए कि कहां चूक हुई

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर लखनऊ में अरण्य समागम का आयोजन होगा, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री करेंगे। कार्यक्रम में वन प्रबंधन, डिजिटलीकरण, मानव-वन्यजीव संघर्ष और कैम्पा निधि के उपयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

इसमें वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ भाग लेंगे।इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में वन दिवस पर %अरण्य समागम = राष्ट्रीय वानिकी संवाद कार्यक्रम% आयोजित किया गया। इसका सीएम योगी ने उद्घाटन किया। वन विभाग के कार्यक्रम में सीएम योगी ने प्रकृति, पर्यावरण और वन संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। सीएम योगी ने कहा, भारत की वैदिक कालीन परम्परा से लेकर और आज के चुनौतियों के बीच हर व्यक्ति ने प्रकृति के साथ हुए खिलवाड़ के दुष्परिणाम को झेला है। इन्हीं चुनौतियों के बारे में हमारे ऋषि मुनियों ने कहा था मां के साथ उसके सम्मान,सुरक्षा, संरक्षण में कोई खिलवाड़ न हो, दुनिया के हर नागरिक को इसको सोचना चाहिए,कि कहां चूक हुई है।नौ वर्षों में 242 करोड़ वृक्षारोपण करने में सफलता प्राप्त की सीएम योगी ने कहा, प्रधानमंत्री की प्रेरणा से %एक पेड़ मां के नाम% का जो लक्ष्य रखा है, उसकी समीक्षा मैंने की है। हमारे पास 50 करोड़ वृक्षारोपण के लिए नर्सरी हमारे पास मौजूद है। हम लोगो ने पिछले 9 वर्षों में 242 करोड़ वृक्षारोपण करने में सफलता प्राप्त की है। 2017 में जहां राज्य में केवल एक रामसर साइट थी, वहीं अब यह बढ़कर 11 हो चुकी हैं।

पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़, आरोपी के पैर में लगी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई एक मुठभेड़ में लूट के एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जबकि उसके एक अन्य साथी को पुलिस ने मौके से ही धर दबोचा। इस गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हुआ है।

घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इलाके में पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों का चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम का सामना बदमाशों से हो गया। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने भागने के प्रयास में फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी और आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल

बदमाश की पहचान उपेंद्र उर्फ रॉकी के रूप में हुई है। उसे तत्काल डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मुठभेड़ में कांस्टेबल दिग्विजय सिंह के हाथ में भी गोली लगी है, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

ई-रिक्शा चालक से लूट में थे वांटेड- पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ये दोनों आरोपी बीती रात एक ई-रिक्शा चालक के साथ हुई लूट की वारदात में शामिल थे। इस घटना के बाद से ही पुलिस ह्यूमन इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से इनकी तलाश कर रही थी।इसी बीच पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि आरोपी उगरपुर के ट्यूबवेल और मंदिर के पास वाले रास्ते पर मौजूद हैं। इसके तुरंत बाद मऊ दरवाजा और मोहम्मदाबाद कोतवाली की पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया, जिसके बाद यह मुठभेड़ हुई।

पुरानी वारदातों का भी हुआ खुलासा- पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने न सिर्फ मोहम्मदाबाद की ताजा घटना को अंजाम देने की बात कबूली है, बल्कि यह भी स्वीकार किया है कि उन्होंने तीन माह पूर्व मऊ दरवाजा क्षेत्र में एक साइकिल सवार के साथ भी लूटपाट की थी। पुलिस फिलहाल मामले की गहनता से विवेचना कर रही है और गिरोह के अन्य फरार साथियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

जांच में खुलासा, सोशल मीडिया से मेरठ में बनाई स्लीपर सेल, पाकिस्तान भेजे जा रहे थे ऐसे वीडियो

मेरठ में सोशल मीडिया के जरिए तैयार किए गए जासूसी नेटवर्क का खुलासा, नाबालिगों को शामिल कर मंदिरों और सैन्य ठिकानों की रेकी की जा रही थी, कई आरोपी गिरफ्तार।पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और सरदार उर्फ सरफराज ने सोशल मीडिया के जरिये मेरठ में जासूसी का बड़ा नेटवर्क खड़ा कर दिया। इसमें नाबालिगों को भी शामिल किया जा रहा था। लिसाड़ी गेट के अनस की अंबाला में विस्फोटक के साथ गिरफ्तारी के बाद जई गांव के आजाद, परतापुर के गणेश, शास्त्रीनगर के गगन और अन्य संदिग्ध जासूसों को हापुड़ व गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। इससे मंदिरों में विस्फोट की नापाक साजिश नाकाम हो गई। मेरठ के आरोपियों की एक के बाद एक गिरफ्तारियों से एटीएस, पुलिस और खुफिया विभाग अलर्ट पर मोड पर है।पूछताछ करने वाली पुलिस टीम ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध रखने वाले शहजाद भट्टी और सरदार उर्फ सरफराज ने दिल्ली-एनसीआर में यूट्यूब और टेलीग्राम चैनल की मदद से अपने स्लीपर सेल तैयार किए थे। इनकी मदद से मंदिरों और सैन्य ठिकानों की वीडियो पाकिस्तान भेजी जा रही थी। शहजाद ने ही भारत में तैयार किए गए इस नेटवर्क को विस्फोटक भी उपलब्ध करा दिया था। इन लोगों को इरादा किसी विशेष मौके पर विस्फोट करने का था। सबसे पहले 13 मार्च को अंबाला एसटीएफ ने बराड़ा के पास से तीन युवकों को दो किलो विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया था। इनमें अंबाला के कंबासी गांव निवासी जंगवीर, अजमेर निवासी अली अकबर और मेरठ के लिसाड़ी गेट निवासी अनस शामिल थे।चंडीगढ़ में सब्जी बेचते समय पाकिस्तानी आतंकी के संपर्क में आया अनस- अंबाला में पकड़ा गया अनस चंडीगढ़ में दो साल पहले सब्जी बेचने का काम करता था। वहीं पर वह भारत में फैले पाकिस्तानी आतंकियों के नेटवर्क से वह जुड़ गया। अनस व उसके साथियों से पूछताछ के बाद 15 मार्च को गाजियाबाद की कौशांबी पुलिस ने बिजनौर जिले के नरगढ़ी नवादा के सुहैल मलिक उर्फ रोमियो, संभल के ज्ञानपुर सिसौना गांव की साने इरम उर्फ महक समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। महक पाकिस्तान में बैठे आकाओं के सीधे संपर्क में थी। आरोपियों ने जासूसी के लिए दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी लगा दिया था। सुहैल मलिक परतापुर के पास रहता था। ये पाकिस्तान के सरदार उर्फ सरफराज के संपर्क में थे। आजाद को एटीएस ने परतापुर टोल से पकड़ा- 17 मार्च को जई गांव के आजाद राजपूत को एटीएस दिल्ली ने मेरठ के परतापुर टोल के पास से पकड़ा था। आजाद दिल्ली की ओर से मेरठ आ रहा था। आजाद खुद को एक राजनीतिक दल से जुड़ा होने का भी दावा करता था। हालांकि वह किसी पार्टी में शामिल था या नहीं अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। आजाद हापुड़ निवासी अपने रिश्ते के मामा अजीम राणा के संपर्क में था। आजाद के मोबाइल से शहजाद भट्टी से बात की वीडियो कॉल मिली है। उसने अधिकांश चैट डिलीट कर दी थी। अजीज राणा के मोबाइल में कई चैट और वीडियो हापुड़ पुलिस को मिली हैं। अब 20 मार्च को गाजियाबाद एसआईटी ने पाकिस्तान के लिए देश सैन्य के ठिकानों समेत मुख्य स्थानों की जासूसी करने के आरोप में मेरठ के परतापुर निवासी गणेश, शास्त्रीनगर के गगन कुमार व अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पांच नाबालिग बताए गए हैं। मेरठ में भी सीसीटीवी लगाने की आशंका- शुक्रवार को गाजियाबाद की कौशांबी पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी दिल्ली कैंट और सोनीपत रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी लगा दिए थे। इनके साथ दो नाबालिग भी शामिल थे। मेरठ के आरोपी गगन व दुर्गेश के खाते में रुपये आते थे। मेरठ का गणेश और उनका मुखिया सुहैल मलिक पुणे में मिले थे। आरोपी सरदार उर्फ सरफराज के व्हाट्सएप से सीधे संपर्क में थे। आरोपियों को 50 अन्य स्थानों पर सीसीटीवी लगाने थे। बताया गया है कि यह मेरठ में भी कुछ महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी लगाते।

भाइयों ने भाई को मार डाला: 30 बीघा जमीन को विवाद, लाठी-डंडों और फावड़े से किए वार, भतीजा भी वारदात में शामिल

20 मार्च 2026 को 30 बीघा जमीन विवाद में भीमसेन (45) की दो भाइयों व भतीजे ने हत्या कर दी। बेटी खुशी (17) भी घायल हुई।गांव सीकुर में शुक्रवार की दोपहर 30 बीघा जमीन के विवाद में भीमसेन (45) की उनके दो भाइयों व भतीजे ने लाठी डंडों, फावड़े और दराती से पीटकर हत्या कर दी। वह बेटी खुशी (17) के साथ खेत पर चारा लेने गए थे, वहीं उनका अपने भाइयों से विवाद हुआ। घटना में खुशी भी घायल हुई है। आरोपियों के वह लहूलुहान हालत में खेत में ही पड़े रहे।घटना भीमसेन और उनकी बेटी खेत में चारा काट रहे थे, बेटा यशवीर पहुंच गए। इन्होंने भीमसेन से अपने हिस्से और तीनों ने भीमसेन को पीटना शुरू कर दिया। की कोशिश की लेकिन वह चरी के खेत में गिर गए। फावड़े व दराती से कई वार किए, अधमरी हालत में कुछ लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस को सासनी सीएचसी लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने योगेंद्र कृष्ण नारायण पहुंचे तथा छानबीन की। भीमसेन खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। फॉरेंसिक टीम सर्विलांस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटना नमूने एकत्रित किए गए। खूने से सने फावड़ा, बैंत, गया। इस दौरान ग्रामीणों से भी पूछताछ की गई।

भागने पर बेटी ने शोर मचाया, पुलिस के पहुंचने तक दोपहर करीब ढाई बजे की है। पुलिस के अनुसार तभी उनके बड़े भाई रवेंद्र, छोटा बाई पूरन और उसका की जमीन मांगी। इसी पर इनके बीच कहासुनी हो गई बचाव में आई खुशी को भी पीटा।उन्होंने बचकर भागने इसके बाद आरोपियों ने उनके सिर पर लाठी-डंडे, छोड़कर भाग गए। खुशी की चीख-पुकार पर गांव के सूचना दी। पुलिस लहूलुहान हालत में भीमसेन को उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर सीओ सिटी के बेटे हरकेश की पत्नी वीनेश ने तीनों आरोपियों के ने की छानबीन- हत्या की जानकारी पर एसओजी, स्थल से साक्ष्य एकत्रित किए। खेत में खून व अन्य खून से सना गमछा व दराती का पत्ता भी बरामद किया काफी देर तक पुलिस की छानबीन चलती रही। भाइयों में जमीनी विवाद चल रहा था, जिसके चलते झगड़ा हुआ। तीनों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। -रामानंद कुशवाहा, एएसपी पिता ने भीमसेन के नाम कर दी थी जमीन, भाई लगा रहे धोखे से हड़पने का आरोप- तीन भाइयों में रविंद्र सबसे बड़े और पूरन सिंह तीसरे नंबर के हैं। कई वर्षों से दोनों फरीदाबाद में मजदूरी करते हैं। इनके परिवार भी वहीं रहते हैं। जिस जमीन को लेकर इनके बीच विवाद है,उसे इनके पिता ने भीमसेन के नाम कर दिया था। अन्य दो भाई उस पर जमीन हड़पने का आरोप लगा रहे हैं और अपना हिस्सा मांग रहे हैं। कुछ महीनों से पूरन की पत्नी जमीन विवाद के चलते गांव में रहने लगी थीं। गांव में केवल भीमसेन का परिवार रहता है। भीमसेन का बेटा हरकेश भी बाहर नौकरी करता है। ग्रामीणों और पुलिस के अनुसार करीब दो साल पहले भीमसेन के पिता वीरेंद्र सिंह ने 30 बीघा जमीन उसके नाम कर दी थी। इस घटना के एक महीने बाद ही वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। इस बीच भीमसेन ने दाखिल खारिज भी करा लिया था। पिता की मौत के बाद भाइयों ने लेखपाल से जब जमीन के बारे में पता किया तो उन्हें इस बारे में पता चला। धोखे से जमीन नाम कराने का आरोप- भाइयों का आरोप था कि धोखे से जमीन नाम कराई है। वे पिता की मौत को भी संदिग्ध मान रहे थे। तभी से भाइयों के बीच विवाद शुरू हो गया। भाइयों ने अपने हिस्से की जमीन मांगी, लेकिन भीमसेन का कहना था कि पिता की इच्छा थी कि जमीन उनके पास रहे और कोई बेचे नहीं। भाइयों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। तहसील व न्यायालय तक यह विवाद पहुंच गया। जानकारी के अनुसार भाइयों ने वसीयत खारिज करने की अपील कर रखी है, जो कि विचाराधीन है। कई बार हुआ था विवाद- ग्रामीणों ने बताया कि दोनों भाइयों में कई बार झगड़ा हुआ था। एक बार जमीन जोतने को लेकर भाइयों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। मामला पुलिस तक पहुंच गया था। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई की थी। मृतक की पत्नी का हो चुका है देहांत- हत्या की जानकारी पर घर आए मृतक के रिश्तेदारों ने बताया कि भीमसेन की पत्नी की मृत्यु करीब 10 साल पहले हो चुकी है, तब से बच्चों की जिम्मेदारी खुद ही संभाल रहे थे। उन्होंने अकेले बड़ी बेटी शीतल एवं बेटे हरकेश की शादी की। वे पुत्रवधु व छोटी बेटी के साथ गांव में रह रहे थे। बेटा हरकेश बाहर नौकरी करता है। देर शाम तक वह गांव नहीं आ सका था। हमलावरों के सिर पर था खून सवार...बोलीं बेटी- आंखों के सामने पिता की हत्या के बाद से वर्षा बदहवास है। रह-रह कर पिता को याद कर रही है। भाभी से लिपटकर उसका रोना बंद नहीं है। रोते हुए वर्षा ने कहा कि उसने पिता को बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह कुछ नहीं कर सकी। हमलावरों पर खून सवार था। इसलिए जब वह बीच में आई तो उस पर भी डंडे बरसा दिए। त्रयोदशी में एकत्रित हुआ था परिवार- गांव में परिवार की वृद्ध महिला की मौत हो गई थी। बृहस्पतिवार को त्रयोदशी कार्यक्रम था। रविंद्र व पूरन इसी के चलते गांव आए थे। शुक्रवार को वे अचानक खेत पर पहुंच गए और घटना को अंजाम दे डाला।

संक्षिप्त समाचार

आपसी सौहार्द और भाईचारे की एक शानदार मिसाल देखने को मिली

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फारूखाबाद शमशाबाद -ब्लॉक स्थित ग्राम पंचायत न्यामतपुर भुक्सी में ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर आपसी सौहार्द और भाईचारे की एक शानदार मिसाल देखने को मिली है। यहाँ गांव की नूरी मस्जिद के इमाम मौलाना गुलफराज़ रज़ा को ग्रामीणों ने तरावीह

मुकम्मल (पूरी) होने की खुशी में एक नई पल्सर बाइक उपहार स्वरूप भेंट की। सामूहिक सहयोग से दिया गया तोहफा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मस्जिद के सदर इमरान वारसी की विशेष पहल और गांव वालों के सामूहिक सहयोग से मौलाना साहब को यह पल्सर 125ष्ठ बाइक भेंट की गई। ईद के दिन जैसे ही यह खास तोहफा मौलाना साहब को सौंपा गया, पूरे गांव में खुशी और उल्लास का माहौल छा गया। फूल-मालाओं से हुआ भव्य स्वागत। इस खास मौके पर स्थानीय निवासी सलमान अहमद ने इमाम मौलाना गुलफराज़ रज़ा और सदर इमरान वारसी का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने मौलाना साहब और सदर को विशेष उपहार भेंट किए तथा फूल-मालाएं पहनाकर उनका सम्मान किया। इस मुख्य कार्यक्रम के बाद गांव के अन्य निवासियों ने भी मौलाना साहब को ससम्मान अपने-अपने घरों में आमंत्रित कर उनका अभिनंदन किया। सैकड़ों ग्रामीणों ने दी ईद की मुबारकबाद। इस आयोजन के दौरान सलमान अहमद, मोहम्मद बिलाल सिद्दीकी, नियाजुद्दीन, मोहब्बतदीन, अयान, शान मोहम्मद, जाकिर, मोहम्मद हसन, सज्जाक अली, निजामुद्दीन और अहमद रज़ा सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और पूरे क्षेत्र में आपसी भाईचारे का एक सकारात्मक संदेश दिया।

मां की दो दिन की सहेली नौ माह के मासूम बेटे को लेकर भागी, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई करतूत

बरेली के फरीदपुर में एक महिला ने मदद कर दूसरी महिला को अपनी बातों में फंसा लिया। इसके बाद उसका नौ माह का बेटा लेकर लापता हो गई। पीड़ित महिला ने फरीदपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।बस में अनजान महिला से परिचय हरदोई निवासी महिला को भारी पड़ गया। बरेली के फरीदपुर में महिला ने बैंक में काम निपटाने का बहाना किया और पीड़िता का नौ माह का बेटा लेकर चली गई। पीड़िता ने शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अब आरोपी महिला और बच्चे की तलाश की जा रही है।हरदोई के देहात थाना क्षेत्र के गांव मिरगंवा निवासी सुनभला कुमारी ने फरीदपुर थाना प्रभारी राधेश्याम को बताया कि वह 17 मार्च को अपनी ससुराल मिरगवां से नौ माह के बेटे अरुण को लेकर निकली थीं। पति से उसका विवाद हो गया था और उनके पास किराया भी नहीं था। उसे बहन संजीदा देवी के गांव बिडोहरा जाना था। बस में जब कंडक्टर ने किराया मांगा तो अनजान महिला ने उसका टिकट लेकर मदद की। उसकी परेशानी सुनकर महिला हरदोई जिले में ही कहीं अपने घर ले गई। वहां वह महिला के साथ दो दिन तक रही।बहाने से ले गई बच्चा - सुनभला कुमारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को उस महिला ने उससे साथ चलने के लिए कहा। बस से दोनों फरीदपुर कस्बे में आईं। सुनभला का नौ माह का बेटा भी उसके साथ था। महिला पहले स्टैंड के पास ही अपना मोबाइल फोन ठीक कराने एक दुकान पर गई। फिर उससे कहा कि उसे बैंक में कुछ काम है। वह अपना काम निपटाकर अभी आ रही है। आरोप है कि महिला ने उसका बच्चा यह कहकर ले लिया कि इससे बैंक में काम जल्दी हो जाएगा। महिला ने भरोसा करके उसे अपना नौ माह का बेटा दे दिया। वह दो घंटे तक उसी दुकान पर इंतजार करती रही, लेकिन वह लौटकर नहीं आई। सीसीटीवी फुटेज में आई आरोपी और बच्चे की फोटो- पीड़िता ने जिस बैंक और दुकान का जिक्र किया, पुलिस ने वहां के सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें महिला के साथ ही बच्चे का फोटो भी आ गया। इसके बाद पुलिस बच्चे की तलाश में जुट गई है। इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि अज्ञात महिला के खिलाफ बच्चे को अगवा करने का मामला दर्ज किया गया है। जल्द ही राजफाश किया जाएगा।

Does your child stay up all night studying? Stop immediately, or lack of sleep will ruin your hard work.

Compromising on sleep during exams is harmful for children. Studies show that not getting enough sleep reduces memory by 20-40%, increasing the risk of forgetting what you studied.

Lack of sleep also reduces memory by 20-40%. Mobile phones and social media disrupt the sleep cycle. Good sleep helps the brain rest and store information. As board exams approach, children's minds are under constant pressure to study. During this time, many students think that if they stay up late and study, they will prepare better and score higher marks, but this is not true. The truth is that compromising on sleep for the sake of studying can harm both the brain and health. This has been proven in numerous studies. According to studies, lack of sleep can impact your memory. You forget what you studied - According to a study published in the journal Psychological Bulletin in 2021, if you don't get enough sleep after studying, you remember 20 to 40% less of what you studied. Therefore, it's important to give your brain complete rest to sharpen your memory and reduce exam mistakes. To score well on exams, not just studying but also getting enough sleep is crucial. Another study found that good sleep helps store what you've studied. Therefore, lack of sleep prevents the brain from having time to retain all the information, leading to forgetting more than half of what you studied the next day. Why do students stay up late? - The effects of mobile phones and the internet are particularly visible on students. These days, the constant influx of social media notifications has also become a major challenge. All these distractions disrupt students' sleep cycles. Due to disturbed sleep cycle, children find it easy to stay up late at night. Apart from this, during exam days, many times students take the help of coffee or energy drinks to stay awake for longer hours. Initially, this habit seems good to everyone, but the habit of drinking them continuously can be harmful for both your health and sleep. Why is sleep important? Teenage is a time during which learning, remembering and understanding new things is very important for the development of the brain. Therefore, adequate sleep is necessary because after sleeping, our brain goes into a completely relaxed mode, in which it works to store the good things of the whole day.

Going to Maihar during Navratri? From darshan timings to accommodation, here's a complete travel guide.

This is a detailed travel guide for devotees planning to visit Maihar during Navratri. Information about train, air, and road routes to reach Maihar; details about darshan, aarti, and

facilities at the Maa Sharda Temple; learn about accommodation, food, and beliefs associated with the temple. During Navratri, people often visit the shrine of the Goddess. If you're planning to visit the Mata Rani temple this time, you can visit Maihar, a famous pilgrimage site in Madhya Pradesh. This tour guide will be very useful for getting there. In this article, we'll provide you with every detail related to this sacred city of Maa Sharda, nestled on Trikuta Mountain on the banks of the Tamsa River, including how to reach it, where to stay, and darshan timings. Beliefs associated with Maihar: According to religious beliefs, when Lord Shiva was wandering the world with the mortal remains of Sati, the goddess's 'necklace' fell at this place. Due to the fall of 'Mai's necklace', this place gradually became known as 'Maihar'. It is considered one of the 51 Shaktipeeths. There is also a connection with Alha and Udal - It is said that Alha and Udal, the commanders of the Chandela kings, were ardent devotees of the Mother Goddess. It is believed that Alha is immortal and is the first to worship the Mother Goddess even today. Locals say that even during the lockdown, when the temple was completely closed, fresh flowers and offerings were found inside when the doors opened in the morning. Rules and facilities related to darshan - To reach the temple, you must climb 1001 steps. You can have darshan of the Mother Goddess from a distance of about 3 feet in the sanctum sanctorum. Wheelchair access is available from the main entrance for the elderly and the disabled. Additionally, you can easily reach the top via a ropeway with a ticket. What can you bring into the temple? - You can only bring offerings inside the temple. You can leave your remaining belongings (such as shoes, bags, etc.) safely in the shops below. There is no separate fee or official arrangement for VIP darshan. All devotees are equally welcome. Darshan and Aarti Timings at the Temple: Darshan Timings: 5:30 am to 12:00 pm and then from 2:00 pm to 7:30 pm. However, during Navratri, the timings may change. The Goddess rests from 12:00 pm to 1:00 pm, so the temple doors remain closed during this time. Aarti Time: Morning Aarti: 5:30 pm Afternoon Aarti: 12:00 pm Evening Aarti: 7:30 pm How to Reach Maihar? The easiest way to reach Maihar is by train: Maihar (station code: MYR) is a railway station located between Katni and Satna. Almost all trains passing through here during Navratri provide a stoppage. The distance from the station to the temple is approximately 6 km, from where you can easily find autos. By Air: The nearest airports are Jabalpur (162 km) and Prayagraj (215 km). An airport is also being built in Rewa, which upon completion will reduce the distance to just 62 km. By Road: Maihar is connected to the National Highway (NH-30). If you are arriving by your own vehicle, there is good parking available before the temple. There are also two bus stands in the city, from where buses to Satna and other cities are available. Accommodation and Food: Hotels: There are several good hotels and dharamshalas within a 6-kilometer radius of the temple. Food: Maihar is a holy city, so you will find only pure vegetarian food here. There are also many restaurants that serve sattvik food without onion or garlic.

Recurring pimples isn't just a sign of dirt; they could be a sign of underlying health problems.

If you're experiencing recurring acne, you should learn about the underlying causes. Hormonal imbalance is a major cause of acne. Sugar, dairy products, and stress also contribute to acne.

Lifestyle adjustments, diet, and sleep can all help with acne. People often consider acne a skin problem and associate it with dirt. Therefore, they resort to face washes and creams to address this issue. However, if acne keeps returning despite proper skin care, the problem may lie within the body. A nutritional deficiency or hormonal imbalance can also manifest as acne on our skin. Let's explore the underlying causes of recurring acne. What causes acne to recur? Hormonal imbalance: Hormonal imbalance is the most common cause of acne. Increased androgen hormone levels in the body cause oil glands to become more active, clogging pores. This increases the risk of acne. PCOS - Hormonal changes in women with PCOS or during menstruation often cause acne on the chin and jawline. Diet - Eating too much sugar and dairy can also contribute to acne. These foods cause insulin spikes, which in turn promote acne. Stress and mental health - When we are stressed, the body releases the hormone cortisol. This hormone causes the skin to produce more oil. Stress also leads to sleep deprivation, which prevents the skin from repairing itself, making acne more severe. What to do for prevention? Focusing solely on skin care isn't enough to get rid of acne. You'll also need to make some improvements to your lifestyle and diet. Diet - Reduce the amount of sugar, refined flour, and oily foods in your diet. If you experience acne from dairy products, talk to your doctor. Also, include plenty of fresh fruits and green vegetables in your diet. Hydration: Drink at least 3-4 liters of water daily to flush out toxins. Drinking plenty of water is also essential for keeping your skin hydrated. Sleep: Get 7-8 hours of deep sleep daily to maintain hormonal balance and reduce stress. Cleanliness: Use a mild cleanser twice a day and change your pillowcase regularly. Consult a doctor: If you experience severe acne, consult a doctor. They can diagnose PCOS or hormonal imbalance and may also prescribe medicated creams for acne.

Five ladies will bring a storm on OTT. When and where will the web series Storm be streamed?

As a producer, superstar Hrithik Roshan is bringing the web series Storm, which is a crime and suspense thriller. The announcement of the OTT release of the web series Storm - Hrithik Roshan is the producer of the series - It will stream online on this platform. Along with the announcement of Storm, its latest teaser has been released on Prime Video. It clearly shows that the story of the series revolves around five women who are troubled by the turmoil in their lives. This is a crime and suspense thriller series, which can be easily guessed by watching the teaser. Fans' excitement has increased significantly after watching the teaser of "Storm." The cast of "Storm" includes Parvathy Thiruvothu, Alaya F, Srishti Srivastava, Rama Sharma, Saba Azad, Suvinder Pal Vicky, Ashish Vidyarthi, Rajit Kapur, Ashok Pathak, Gautam Rode, Priyanka Setia, and Ranjan Raj. Directed by Ajit Pal Singh, the series is awaiting its release date. The teaser of "Storm" is considered quite impressive, and after watching it, everyone is eagerly awaiting its OTT release. While the release date is yet to be announced, it's certain that you'll see the explosive release of "Storm" on Prime Video. After being an actor, Hrithik Roshan has now decided to pursue his career as a producer. On Thursday, the makers announced the release of the new web series, "Storm," produced under the banner of HRX Movie Production House, which will be released on OTT platforms. The series will depict the struggles and revenge stories of five women. In such a situation, let us know when and where the web series Storm will be streamed online. Storm will be available on OTT - The famous OTT platform Prime Video organized the 'Prime Video Presents' event on Thursday, March 19. During this, the biggest new original series and films coming to Prime Video in the future were announced. About 55 new web series have been included in this, one of which is named Storm, whose producer is superstar Hrithik Roshan.

After Haq, Yami Gautam will scare everyone as 'Nayi Naveli'. On which OTT platform is the horror film coming?

Prime Video has announced its streaming dates for 2026, which includes Yami Gautam's horror-comedy. Produced by Anand L. Rai and directed by Balaji Mohan, the film will be a humorous blend of Indian mythology. Yami Gautam will be seen in the horror-comedy 'Nayi Naveli' - Anand L. Rai is the producer of the film - On which OTT platform will it stream? After Netflix, Prime Video, the other major streaming platform, has locked its streaming dates for 2026. It looks quite interesting in terms of storytelling and star cast. Anand L. Rai will be producing the film - it was announced simultaneously at an event called It Starts Here. This also includes two projects starring Hrithik Roshan, Storm and Mess. Yami Gautam's horror comedy Nayi Naveli is also included in this list. The film is being produced by Anand L. Rai and directed by Balaji Mohan. The film will be a comedic blend of Indian mythology and folklore. Yami will be seen in a ferocious avatar. The story is written by Divya Nidhi Sharma, who has previously worked on films like Sitare Zameen Par, Missing Ladies, and Heeramandi: The Diamond Bazaar. This is her second film with Anand, Nayi Naveli, after Nakhrewali. Post-production work is underway: the script is complete, and pre-production is currently underway. There's no information about Nayi Naveli's release date, but it will hit the OTT platform Prime Video after its theatrical release. Yami previously appeared in Haq with Emraan Hashmi. It's worth noting that this genre won't be entirely new for Yami Gautam. She previously worked in the 2021 film Bhoot Police, which starred Saif Ali Khan, Arjun Kapoor, and Jacqueline Fernandez. His latest comedy film was Dhoom Dham in the year 2025 with Pratik Gandhi.

"Sarke Chunar" singer Mangali realizes her mistake, publicly apologizes for vulgar lyrics

Lyricist Raqib Alam said, "I warned the filmmakers about this." NCW issues summons to Nora Fatehi and Sanjay Dutt in "Sarke Chunar" controversy. The controversy surrounding "Sarke Chunar" continues unabated. The singer of the song, Mangali, apologizes to the public. Summons issued against Nora and Sanjay. Following the uproar over the vulgar lyrics of the song "Sarke Chunar," singer Mangali has apologized, saying that no one intended to hurt anyone's sentiments. The Telugu folk singer wrote on Instagram that the lyrics will be changed and a second version will be released soon. The singer apologized, stating that respecting public sentiment, the song has been removed from all platforms. "I sincerely apologize to all of you for this unintentional mistake. We did not intend to hurt anyone's sentiments. We regret this oversight." The Hindi version of the song was released earlier this week. Its alleged vulgar lyrics have sparked controversy. The issue was also raised in Parliament, where the government stated that the song had already been banned. Actress Nora Fatehi, who appears with Sanjay Dutt in the song's dance video, and lyricist Raqib Alam have distanced themselves from the controversy. Fatehi stated that she recorded the Kannada version three years ago and informed the producers when she heard the Hindi version. Alam stated that he also warned the filmmakers that the Hindi lyrics were vulgar. Summons against Nora and Sanjay Alam. Alam said that he was asked to translate the Kannada version literally, which he did. The Kannada lyrics were written by the film's director, Prem. The song is part of the upcoming Kannada film "KD: The Devil," which was released on YouTube earlier this week. Meanwhile, the National Commission for Women (NCW) has summoned actress Nora Fatehi, actor Sanjay Dutt, and others over the obscenity in the song "Sarke Chunar." Lyricist Raqib Alam, producers Venkat K. Narayan, and Kiran Kumar have also been summoned to appear before the commission on March 24.